हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 16 फरवरी 2026

11 जाम से जूझ रहा बाढ़ड़ा का मुख्य क्रांतिकारी ...

12 महाशिवरात्रि पर्व पर सजी छोटी काशी, बम-बम...

खबर संक्षेप

कारीधारणी में ओपन वॉलीबॉल स्पर्धा 22 को

बाढ़ड़ा। कारीधारणी में 22 फरवरी को दो दिवसीय ओपन वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में विजेता टीम को 41 हजार रुपये तथा उपविजेता टीम को 21 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि खेलों के साथ-साथ विभिन्न आयु वर्गों के लिए विशेष दौड़ प्रतियोगिताएं भी रखी गई हैं। प्रतियोगिता में महिलाओं की मटका दौड़, 75 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों की दौड़, 16 सौ मीटर लड़कों की दौड़ तथा 8 सौ मीटर लड़कियों की दौड़ शामिल हैं। महिला व पुरुष वर्ग की अन्य प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। पूर्व सरपंच रणधीर व पूर्व सरपंच संदीप सांगवान ने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारंभ 22 फरवरी को किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है, जिससे युवाओं में खेल भावना और आपसी भाईचारा बढ़े।

भिवानी। शिविर में आंखों की जांच करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

डॉक्टरों ने कैंप में 189 लोगों की आंखें जांची

चरखी दादरी। माडल दादरी जिला बनाओं संगठन द्वारा गांव बौंद, नीमडी, उण आदि में आयोजित मेडिकल कैंपों की अध्यक्षता रविंद्र परमार, नरेंद्र लुहाच, विकास बलहारा ने की। मुख्य अतिथि मोहिंद्र परमार, तस्वीर श्योराण, विजय वीर सेन रहे। कैंपों में आई क्यू, गीताजंली, आई केयर आदी की चिकित्सक टीम पुरूषोतम शर्मा, नरेंद्र, ममता, मधुलिका, स्वाति व सहयोगियों ने 189 की आंख व सामान्य रोग जांचे, दवा वितरण किया। संगठन युवा विंग अध्यक्ष अधिवक्ता अनिल बलवान साहू ने कहा कि किसी जरूरतमंद के कठिन समय में अगर हम उसका थोड़ा भी सहयोग करने में सक्षम है तो अवश्य करना चाहिए। हमारी छोटी सी मदद उनके लिए सहायक साबित हो सकती है।

जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग ने संभाला मोर्चा

100 से अधिक दबे ढक्कनों को मेटल डिटेक्टर से ढूंढ रहा विभाग

विधायक व चेयरमैन बोले-कोई सीवरेज बंद नहीं होगा, गंदगी होगी दूर

हरिभूमि न्यूज : बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा में चमराई सीवरेज व्यवस्था को दुरुस्तत करने के लिए जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग ने मोर्चा संभाला हुआ है। इस कार्य के लिए विभाग ने अनेक कर्मचारियों को लगाकर इसे दुरुस्त करने का कार्य किया जा रहा है, जिससे सीवरेज की गंदगी से शहरवासियों को राहत मिलेगी। हालांकि इस कार्य के लिए विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि व नपा के चेयरमैन सुंदर अत्री ने विभाग के अधिकारियों से मिलकर कार्य में तेजी लाने का आह्वान किया।

उल्लेखनीय कुछ समय से शहर की सीवरेज व्यवस्था बेपटरी थी और लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, जिसको लेकर क्षेत्रवासी रोष भी जता रहे थे। क्षेत्रवासियों के बार बार विरोध जताने एवं ज्ञापन देने पर विभाग ने इस ओर ध्यान आकर्षित किया हैं। विधायक के खुले दरबार में भी क्षेत्रवासी उक्त समस्या को बार बार उठाते रहे हैं। क्षेत्रवासियों की परेशानियों को देखते हुए विधायक कपूर सिंह ने अधिकारियो को इस संबंध में त्वरित कार्रवाई की निर्देश दिए और समस्या का स्थायी समाधान कर जनता को राहत देने की बात कही। इस संबंध में जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के कनिष्ट अभियंता सुनील कुमार ने बताया कि उक्त समस्या के समाधान के लिए करीबन 10 लाख रुपये के टैंडर से सफाई व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा हैं। सीवरेज के मैनहोल में वर्षों पुरानी गंदगी को निकाला जा रहा है, ताकि सीवरेज लाइन में गंदे पानी का सही संचालन हो सके। वहीं उन्होंने बताया कि भविष्य में सीवरेज की समस्या से छुटकारा मिलेगा तथा जनता को राहत मिलेगी। बताते हैं कि विभाग पिछले तीन माह से इस कार्य में जुटा है, जिसमें अधिकतर कार्य पूरा हो गया है और सीवरेज की सफाई हुई है। इसके साथ ही 100 के करीबन सीवरेज के मैनहोल के ढ़क्कन, जिनका कोई पता नहीं है, उसे भी ढूंढ़ने का प्रयास किया जा रहा हैं। नागरिक अस्पताल के पास विभाग ने दो-तीन बार सड़क को खोदा, लेकिन ढक्कन नहीं मिल पाया।

भिवानी। बवानीखेड़ा में सीवरेज की सफाई करते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

25-30 साल पहले दबाई गई थी सीवरेज लाइन

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार बवानीखेड़ा में लगभग 25-30 वर्ष पहले दबी पुरानी सीवरेज लाइन के ढक्कनों की जानकारी न होने के कारण विभाग उसे मेटल डिटेक्टर मशीन के सहारे ढूंढ़ने का प्रयास कर रहा है, जिसमें विभाग को काफी कामयाबी मिली है। मशीन से जहां ढ़क्कन होता है वहीं लाइट शो होती है, लेकिन कर्मचारियों को दिक्कत भी पैदा हो रही है। ये मशीन लोहे के कील आदि को भी दर्शाती है, जिससे ढ़क्कन न होने पर समय की खपत बढ़ती है।

शहर होगा गंदगी मुक्त

विधायक कपूर वाल्मीकि व नपा प्रधान सुंदर अत्री ने बताया कि वे शहर की हर कमी से वाकिफ हैं। हांसी भिवानी मुख्य व बाईपास मार्ग से निकलना दुभर हो गया था। इस समस्या के लिए उन्होंने विभाग के अधिकारियों संग मिलकर मिलकर रूपरेखा तैयार की और नतीजा सबके सामने है। वहीं उन्होंने बताया कि भविष्य में सीवरेज की समस्या से छुटकारा मिलेगा।

चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल, हनुमान गेट और हालुवास गेट पर सीवरेज व्यवस्था ठप, लोग परेशान

भिवानी। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी जिला कमेटी ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की कि चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल में नीकू वार्ड के पास, हनुमान गेट व हालवास गेट की 2 नम्बर गली पर लम्बे समय से ठप सीवरेज व्यवस्था व टूटी पानी की लाइन को शीघ्र ठीक करवाएं, अन्यथा माकपा आन्दोलन करने पर मजबूर होगी। माकपा जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश ने प्रेस ब्यान जारी करते हुए बताया कि बहुत अफसोस जनक है कि नागरिक हस्पताल में नीकू वार्ड के नजदीक सीवरेज व्यवस्था ठप्प होने के कारण हस्पताल के टायलेट गन्दगी से भरे पड़े हैं तथा मरीजों एवं तीमारदारों के लिए टायलेट के लिए जगह नहीं है, यहां तक वार्ड के नजदीक टायलटों पर ताला लगा रखा है।

■ मरीजों एवं तीमारदारों के लिए टायलेट के लिए जगह नहीं है : ओमप्रकाश

इसी तरह हनुमान गेट पर पिछले दो वर्षो से सीवरेज ठप होने तथा सड़क के नीचे पीने के पानी की लाइन टूटने से सड़क के नीचे बड़ा कटाव हो गया है, किसी भी समय कोई बड़ा हादसा हो सकता है, चौगाना माता मंदिर के नीचे भी जगह खोखली हो गई है। पिछले दो वर्ष से यह समस्या बनी हुई है और यहां ट्रेक्टर लगाकर लाखों रुपये विभाग ने खर्च दिखा रखा है , परन्तु समस्या का आज तक समाधान नहीं हुआ। विभाग इसको गंभीरता से ले, अन्यथा यहां बड़ा हादसा हो सकता है, इसकी जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों की ही होगी ।उन्होंने कहा कि हालवास मोड़ पर गली न 2 में अक्सर सीवरेज व्यवस्था ठप पड़ी रहती है। वहां के निवासी बार बार शिकायत करते हैं , विभाग के अधिकारी एक बार सीवरेज का पानी उठा लेते हैं, फिर एक सप्ताह बाद सीवरेज ठप हो जाता है। उन्होंने कहा कि बड़ी मशीन सुपर सकर से इस सीवरेज की सफाई करवाई जाए, ताकि गलीवासियों की समस्या का समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि पीड़ित लोगों की शिकायत के बाद भी सम्बधित विभाग समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहा है, ये बहुत ही चिंतनीय विषय है, इससे जनता को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

लोगों ने नप चेयरमैन को करवाया अवगत

झज्जर घाटी के निकट टी प्वाइंट पर धंसा सीवरेज मैनहोल एवं लाइन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

झज्जर घाटी के निकट टी प्वाइंट पर बने सीवरेज मैनहोल व दूषित जल व मल को सप्लाई करने वाली लाइन के एक हिस्से के धंसने के बाद से ही वार्ड आठ व नौ के नागरिकों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। गौरतबल है किमैनहोल में दोनों ही वार्डों के कुछ हिस्सों में रहने वाले नागरिकों के घरों से दूषित जल निकासी होती है, जिसके चलते दोनों ही वार्डों के निवासियों को यह समस्या झेलनी पड़ रही थी।

उक्त समस्या को लेकर नागरिकों ने नप चेयरमैन बख्शीराम सैनी के समक्ष रखा। चेयरमैन सैनी ने उनकी इस परेशानी को गंभीरता से लेते हुए तुंरत प्रशासन व संबंधित विभाग का तालमेल करवाते हुए कार्य आरंभ करवाया गया। जिसके उपरांत अब इस मेनहोल को दोबार निर्मित किया जा रहा है, सीवरेज लाईन के डैमेज को ठीक किया जा रहा है जिससे कि इसका स्थाई समाधान संभव हो सके। खुद बख्शीराम सैनी मौके पर पहुंचे कार्य का जाजया लिया। वहा काम कर रहे अधिकारियों कर्मियों व स्थानीय लोगों से सीधा संवाद किया। वार्डों के जनप्रतिनिधियों के सुझाव लिए व उनको भरोसा दिलाया कि समस्या का जल्द से जल्द समाधान स्थाई तौर पर करने के लिए कदम उठवाए जा रहे हैं।मौके पर प्रवीण स्वामी मांडू अध्यक्ष दलवीर खेड़ी बत्तर नवीन पार्षद वार्ड नंबर 8 विनोद सिंह मार पार्षद विरेंद्र जोगी सहित मौजिज नागरिक उपस्थित उपस्थित थे।

भिवानी। समस्या का समाधान करवाते नप चेयरमैन बक्शीराम सैनी।

पांच-छह साल पहले 75 लाख रुपये का आया था खर्च

सड़कों पर लगी कई सौर ऊर्जा लाइटें खराब, शाम होते ही छा जाता अंधेरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

कस्बे की सड़कों पर लगी सौर उर्जा की अनेक लाइटें खराब हो चुकी है, जिसकारण सूरज ढलते ही सड़कों पर अंधेरा छा जाता है और जिससे कस्बे के लोगों में रोष व्याप्त है। क्षेत्रवासियों का कहना हैं कि लाइटे ठीक की जाए या नई लाइटे लगवाई जाए, ताकि रात के समय राहगीरों व वाहन चालकों को कोई परेशानी न हो और वे आसानी से आवागमन कर सकें। इसके साथ ही चोरी की घटनाओं पर भी अंकुश लग सकें।

दुकानदारों सुरेश कुमार, अनिल कुमार, अशोक कुमार, सुखबीर, विजयपाल, जगदीश आदि ने बताया कि प्रशासन द्वारा कस्बे की सड़कों को रात्रि में रोशन करने के लिए ५-६ वर्ष पहले सौर उर्जा आधारित लाइटें लगवाई गई थी, जिस पर उस सौर उर्जा लाइटें पर लगभग 75 लाख रुपये का खर्च आया था लेकिन प्रशासन ने कस्बे की सड़कों पर सौर उर्जा लाइटें लगवाने के बाद लाइटों की सुध नहीं ली। देखरेख के अभाव में काफी सौर उर्जा आधारित लाइटें धीरे-धीरे खराब होती चली गई। कस्बे की हर सड़क पर काफी लाइटें खराब पड़ी हैं जिसके कारण शाम होते ही कस्बे की सड़कों पर अंधेरा छा जाता है। इससे कस्बे के दुकानदारों में रोष व्याप्त है। कस्बे के दुकानदारों ने बताया कि वे पिछले काफी समय से स्ट्रीट लाइटों को ठीक करवाने की मांग को लेकर कई बार शिकायत कर चुके हैं लेकिन प्रशासन मामले में कोई सुध नही ले रहा है। दुकानदारों का क हना है कि रात के समय बाजार में अंधेरा होने से लगातार चोरी की घटना बड़ रही है जिससे दुकानदारों में भी रोष बना हुआ है। दुकानदारों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द ही बाजार में लाइटों को या ते ठीक किया जाए या नई लाइटे लगवाई जाएं।

कई ग्रामीणों ने ढीले बिजली तार और ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने की रखी मांग

■ विधायक सुनील सांगवान ने अपने कैंप कार्यालय में लगाया खुला दरबार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

दादरी से भाजपा विधायक सुनील सांगवान ने रविवार को अपने कैंप कार्यालय में खुला दरबार लगाकर आमजन की समस्याएं सुनीं। विधायक निवास पर सुबह से ही शहर व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी विभिन्न समस्याएं लेकर पहुंचे। कैंप कार्यालय में विधायक सुनील सांगवान के समक्ष लोगों ने बिजली कटौती, पेयजल आपूर्ति, सीवर जाम, सड़कों की मरम्मत, सफाई व्यवस्था, राशन कार्ड, पेंशन व अन्य जनसुविधाओं से जुड़ी समस्याएं रखी। कई ग्रामीणों ने गांवों में ढीली बिजली तारों, ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने तथा जलभराव की समस्या से अवगत कराया। विधायक सुनील सांगवान ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विधायक ने कहा कि प्रदेश की नायब सिंह सैनी सरकार जनहित में लगातार कार्य कर रही है। सरकार की प्राथमिकता है कि आमजन को बुनियादी सुविधाएं समय पर और बेहतर गुणवत्ता के साथ मिलें। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा ही उनका मुख्य उद्देश्य है और इसी भावना से खुला दरबार आयोजित किया जा रहा है।

■ एपीएल सीजन-8 का हुआ शुभारंभ

राजस्थान की मिठी रेहडू की टीम ने बहल को दी शिकस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

युवाओं की प्रतिभा निखारने के लिए 15 से 22 फरवरी तक आयोजित होने वाली अलख किक्रेट प्रतियोगिता एपीएल सीजन -8 का रविवार को शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता में छह पूलों में 48 टीमों को शामिल किया गया है। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर पूर्व सरपंच एवं भाजपा नेता गजानंद अग्रवाल मुख्यातिथि रहे जबकि श्री अलख आश्रम के महंत विकास गिरी महाराज व थाना प्रभारी संजय कुमार विशिष्ट अतिथि रहे। रविवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के खेल परिसर में आयोजित प्रतियोगिता का आगाज किया गया। पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल ने खिलाड़ियों से परिचय किया और उनको खेल भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न अंग है। प्रतियोगिता के पहले दिन बहल और राजस्थान की मिठी रेहडू गांव की टीमों के बीच मुकाबला हुआ जिसमें मिठी रेहडू की टीम विजयी रही। खिलाड़ी प्रमोद मैन ऑफ दी मैच रहे। तोशाम व बीरण गांव की टीमों के बीच हुए मुकाबले में तोशाम, गंगवा व गेहली के बीच हुए मुकाबले में गंगवा, मिरान व मिठी गांव के बीच मुकाबले में मिरान की टीम विजेता बनी।

इस अवसर पर ईश्वर नंबरदार, सतपाल नंबरदार, बीडीसी योगेश शर्मा, श्यामसुंदर शर्मा, मुन्ना तिवारी, विकास शर्मा, प्रदीप यादव, महेश शर्मा, मनोज डब्लू आदि मौजूद रहे।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

पेंशन बहाली संघर्ष समिति ने फिर भरी हुंकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

पेंशन बहाली संघर्ष समिति हरियाणा की राज्य कार्यकारिणी के निर्देश पर कर्मचारियों ने एक बार फिर पुरानी पेंशन बहाली की आवाज उठानी शुरू कर दी है। रविवार को जिला प्रधान ताराचंद की अध्यक्षता में कर्मचारियों ने बाढ़ड़ा के विधायक उमेद पातुवास को उनके फार्म हाउस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा।

एनपीएस व यूपीएस को वापस लेने की मांग: उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से पुरानी पेंशन बहाली की मांग विधानसभा में उठाने और इस पर पूरा पक्ष रखने की मांग की। इसके साथ ही ज्ञापन के माध्यम से एनपीएस व यूपीएस को वापस लेने की मांग उठाई। जिला प्रधान ताराचंद छिल्लर ने बताया कि इस कड़ी में सांसदों के माध्यम से भी ज्ञापन दिया जा रहा है। इस दौरान विधायकों को विधानसभा सत्र की दौरान पुरानी पेंशन बहाली की मांग को प्रमुखता से उठाने का अनुरोध किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एनपीएस यूपीएस के माध्यम से कर्मचारियों का पैसा शेयर बाजार में लगाया जा रहा है, जिससे उनको बुढ़ापा पेंशन से भी कम पेंशन मिल पाती है, जो कर्मचारियों के साथ अन्याय है।

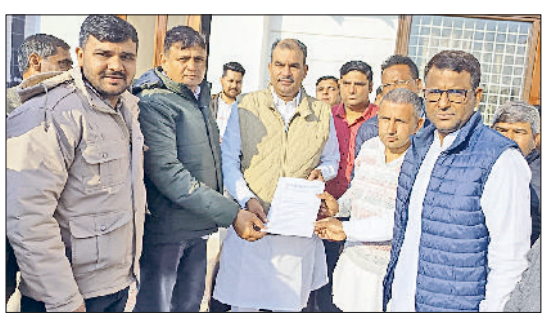

विधायक ने मांग विस में रखने का दिया आश्वासन

जिला प्रधान ताराचंद ने कहा कि सरकारी विभाग में कर्मचारी 58 से 60 वर्ष नौकरी करता है और उसे नाममात्र पेंशन मिलती हैं, जिससे उसका रिटायमेंट के बाद गुजारा नहीं चल पाता, इसलिए पुरानी पेंशन बहाल की जाए। इस पर विधायक उमेद पातुवास ने कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि उनकी इस मांग को विधानसभा में प्रमुखता रखा जाएगा। इस अवसर पर शिव कुमार गोयल, जेई राकेश बलोदा, जेई राजबीर घसोला, प्रदीप , सुरेश डोहकी, अशोक डीपीई, अनिल पीटीआई, नरेंद्र झोझू, मास्टर भारत, मास्टर जगबीर, लीला, मास्टर नरेश, संदीप, रमेश, सुरेदर, अशोक आदि मौजूद रहे।

प्रदीप सैनी को राष्ट्रीय सैनी सभा के हलका प्रधान की जिम्मेदारी मिली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

सैनी समाज को मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रीय सैनी सभा ने लोहारू के युवा प्रदीप सैनी को संगठन के लोहारू हलका प्रधान की जिम्मेदारी सौंपी है। यह जिम्मेदारी मिलने पर प्रदीप सैनी ने कहा कि उनका लक्ष्य को संगठन को मजबूत करने के साथ साथ समाज के लोगों के साथ मिलकर सामाज उत्थान में कार्य करना रहेगा।

नवनियुक्त हलका प्रधान प्रदीप ने संगठन के प्रदेश अध्यक्ष जसबीर सैनी और जिला अध्यक्ष विजय सैनी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि संगठन की उम्मीदों पर खरा उतरकर वे समाज को नई दिशा देने का काम करेंगे। जिलाध्यक्ष विजय सैनी ने नियुक्ति के दौरान कहा कि प्रदीप सक्रिय, जमीन से जुड़े और समाजसेवा के प्रति समर्पित व्यक्ति हैं। संगठन को विश्वास है कि वे सभी वर्गों को साथ लेकर समाज के उत्थान के लिए ठोस कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य समाज को सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाना है, ताकि आने वाले समय में समाज की भागीदारी और प्रभाव दोनों मजबूत हों। प्रदीप सैनी ने कहा कि वे ईमानदारी और निष्ठा से कार्य करेंगे ताकि संगठन को सामाजिक और राजनीतिक रूप से मजबूती मिल सके। दयानंद सैनी, ओमप्रकाश सैनी, सज्जन सैनी, मुकेश सैनी, लीलाधर, दलीप, सुनील, विपुल, संजय आदि ने उन्हें बधाई दी।

भिवानी। प्रदीप सैनी को नियुक्ति पर बधाई देते पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

मोबाइल फोन के नुकसान

मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इससे बच्चों में एकाग्रता की कमी, चिड़चिड़ापन, नींद की समस्या और आंखों की रोशनी कम होने जैसी गंभीर समस्याएं हो रही हैं। यह बच्चों के संज्ञानात्मक विकास को भी धीमा करता है और उन्हें सामाजिक रूप से अलग-थलग कर सकता है, साथ ही मोटापा और विटामिन डी-3 की कमी जैसी शारीरिक बीमारियां भी पैदा करता है।

जब 'ऑनलाइन' नहीं, 'आंगन' में होता था बचपन

शाम होते ही गलियां 'हरे समंदर गोपी चंदर' के सुरों और 'कबड्डी' की हुंकार से गुलजार हो उठती थीं। आज की सूनी गलियों को देख मन उस बेफिक्र अतीत के लिए कसकता है। आज यह आलेख उसी सुनहरे दौर, उन बिसरे खेलों और माटी से जुड़ी उन यादों को फिर से जीने का एक विनम्र प्रयास है, जो अब केवल किस्सों में शेष रह गई हैं।

खेल

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

याद कीजिए अपना बचपन, जब हरियाणा की संस्कृति में खेलों का स्थान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि यह जीवन जीने का एक तरीका था। आज के डिजिटल युग में, जहां बचपन 6 इंच की स्क्रीन में सिमट कर रह गया है, वहीं एक दौर ऐसा भी था, जब बच्चों की दुनिया घर की देहरी से शुरू होकर पूरे गांव के गोरे, चौपालों और खेतों तक फैली होती थी। हरियाणा के बच्चे मिट्टी में पलकर बड़े होते थे।

उनके खिलौने बाजार से नहीं खरीदे जाते थे, अपितु वे खुद अपनी रचनात्मकता से उन्हें गढ़ते थे। टूटी हुई चूड़ियां, माचिस की डिब्बी, पुरानी साइकिल का टायर, और पत्थर के टुकड़े, यही उनकी दौलत थी। तब बचपन खुले आसमान और मिट्टी की सौंधी महक के बीच पलता था। शाम होते ही गलियां 'हरे समंदर गोपी चंदर' के सुरों और 'कबड्डी' की हुंकार से गुलजार हो उठती थीं। आज की सूनी गलियों को देख मन उस बेफिक्र अतीत के लिए कसकता है। आज यह आलेख उसी सुनहरे दौर, उन बिसरे खेलों और माटी से जुड़ी उन यादों को फिर से जीने का एक विनम्र प्रयास है, जो अब केवल किस्सों में शेष रह गई हैं। आइए, उस पुरानी संदूक को खोलें और यादों की धूल झाड़कर उन खेलों को फिर से याद कर इस डिजीटल पीढ़ी के साथ उन यादों को बांट लें। बचपन के शुरुआती दौर के खेल अक्सर शारीरिक बल के बजाय सुर, लय और सामूहिकता पर आधारित होते थे।

इनमें जीत-हार से ज्यादा महत्व सबके साथ होने का था। ''हरे समंदर गोपी चंदर'' तो आपको याद ही होगा, यह खेल मासूमियत का पर्याय था। यह केवल एक खेल नहीं, बल्कि बच्चों की कल्पना की पहली उड़ान होती थी। इसमें शाम होते ही गली के बच्चे एक गोल घेरा बना लेते। बीच में एक बच्चा बैठता, जिसे 'मछली' कहा जाता था। फिर बच्चों के बीच सवालों और जवाबों का एक सिलसिला शुरू होता। बच्चों का समूह कहता, 'हरे समंदर गोपी चंदर, बोल मेरी मछली कितना पानी?' बीच का बच्चा जो मछली बना होता, वह कहता, 'इतना पानी!' (पैरों की एड़ी तक इशारा करते हुए)। इसी प्रकार पानी का स्तर धीरे-धीरे बढ़ता...घुटने, कमर, पेट, गला... और अंत में जब मछली चिल्लाती 'सिर के ऊपर पानी!' या 'डूब गए!', तो सारे बच्चे खिलखिलाते हुए एक-दूसरे के ऊपर गिर जाते या डूबने वाली मछली को बचाने का अभिनय करते। यह खेल बच्चों को एकजुटता सिखाता था और काल्पनिक दुनिया में सूखी जमीन पर समुद्र महसूस कराता था। इसमें कोई प्रतिस्पर्धी तनाव नहीं था, बस निर्मल आनंद था।

'पोशम्पा भाई पोशम्पा' तो बच्चों में बहुत प्रिय खेल था। दो बच्चों द्वारा हाथ ऊपर करके और उन्हें मिलकर एक फाटक बनाया जाता और उसके नीचे से गुजरती बच्चों की रेल गाती ....

'पोशम्पा भाई पोशम्पा , लाल किले में क्या हुआ? सौ रुपये की घड़ी चुराई, अब तो जेल में जाना पड़ेगा, जेल की रोटी खानी पड़ेगी, जेल का पानी पीना पड़ेगा!'

जैसे ही गाना खत्म होता, 'फाटक' बने बच्चे अपने हाथ नीचे कर लेते और जो बच्चा अंदर फंस जाता, उसे 'कैद' कर लिया जाता। इस अद्भुत ढंग से खेल-खेल में अनजाने में ही बच्चों को सही और गलत का पाठ पढ़ा दिया जाता था कि चोरी करने पर जेल जाना पड़ता है। साथ ही, पकड़े जाने का डर और उससे बचने की फुर्ती, बच्चों में रोमांच भरती थी। फिर 'अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो' का अपना कमाल था। असल में, यह कोई खेल नहीं, बल्कि 'खेल शुरू करने का मंत्र' था। जब भी किसी खेल में यह तय करना होता था कि 'दाम' यानि पारी कौन देगा, तो अक्कड़-बक्कड़ ही सबसे बड़ा न्यायाधीश होता था। जिससे फैसला किया जाता था। जैसे 'अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो, अस्सी नब्बे पूरे सौ। सौ में लगा धागा, चोर निकल के भागा।' जिस बच्चे पर आखिरी शब्द 'भागा' आता, वह चयन से बाहर हो जाता या चुन लिया जाता। यह निर्णय लेने की सबसे लोकतांत्रिक और निष्पक्ष प्रक्रिया थी जिसे हर बच्चा मानता था।

इन सभी खेलों में एकाग्रता,कार्य कुशलता, निशाना और रणनीति जैसे व्यावहारिक गुणों का प्रशिक्षण स्वतः ही बच्चे के गुणों में शामिल हो जाते थे। कंचे खेलना एक कला थी और जेब में कंचों की खनक जैसे बच्चों में रईसी की निशानी समझी जाती थी। कच्ची जमीन पर एक छोटा सा गड्ढा जिसे 'पिल्ल' कहते थे, बनाया जाता था। हाथ की बीच वाली उंगली को खींचकर, दूसरे हाथ से कंचे को साधते हुए 'टक्क' की आवाज के साथ दूसरे कंचे को हिट करना। जो निशाना चूक गया, वह हार गया। जो जीत गया, वह सामने वाले के कंचे ले जाता। 'अंटी', 'बट्टा', 'सिप्पी' ये शब्द कंचे खेलने वालों की विशेष शब्दावली का हिस्सा होते थे। यह खेल एकाग्रता और ज्यामिति का व्यावहारिक ज्ञान देता था, वहीं जीतने का नशा और हारने पर अपने प्रिय कंचे को खोने का दुख, बच्चों को भावनाओं पर काबू करना सिखाता था। गुल्ली-डंडा तो आपने अवश्य खेला होगा जिसे यदि 'भारतीय क्रिकेट का पूर्वज' कहा जाए तो गलत नहीं होगा। एक बड़ा डंडा और एक छोटी लकड़ी की गुल्ली, जो दोनों सिरों से नुकीली होती थी। गुल्ली को डंडे से धीरे से उछालना और फिर हवा में ही जोर से प्रहार करना। गुल्ली जितनी दूर जाती, खिलाड़ी का रूतबा उतना बढ़ता। अगर विपक्षी टीम ने हवा में गुल्ली लपक ली, तो खिलाड़ी आउट। यह खेल हाथ और आंख के तालमेल का बेहतरीन उदाहरण था। हरियाणा की पहचान 'पहलवान' लोगों से है और इसकी नींव बचपन के इन्हीं खेलों में पड़ती थी। कबड्डी जो हरियाणा की रगों में दौड़ता है। बिना किसी उपकरण के, केवल शरीर और सांसों के दम पर खेला जाने वाला यह खेल पौरुष का प्रतीक था। विरोधी के पाले में जाकर, बिना सांस तोड़े 'कबड्डी-कबड्डी' बोलते हुए खिलाड़ियों को छूकर वापस आना। दूसरी तरफ, डिफेंडर्स की 'चेन' बनाकर रेडर को दबोच लेना। हालांकि आज इसका आधुनिक समय में व्यवसायिक स्वरूप

देखने को मिल जाता है, जो सुखद है। कुछ इसी तरह का उदाहरण 'कुश्ती' के रूप में भी हमारे सामने है जो अतीत से लेकर आज वर्तमान में विश्वभर में प्रसिद्ध है।

आप 'पिठू' या 'सत्तोलिया' को याद कीजिए जो टीम वर्क और फुर्ती का बेजोड़ मिश्रण था। सात चपटे पत्थर और एक कपड़े की गेंद, बस यही थी खेल की सामग्री। एक खिलाड़ी गेंद से पत्थरों की मीनार गिराता। फिर उसकी टीम को उन पत्थरों को वापस एक के ऊपर एक जमाना होता, जबकि विपक्षी टीम उन्हें गेंद मारकर ऐसा करने से रोकती। गेंद लगने पर 'पिठू!' चिल्लाना। भागना, चकमा देना और गिरते-पड़ते पत्थरों को पूरा करना—यह सब अद्भुत रोमांच पैदा करता था। 'बंदर किल्ला' ग्रामीण अंचलों में बहुत लोकप्रिय खेल था। जमीन में एक कीला (खूंटा) गाड़ा जाता और उस पर लंबी रस्सी बांधी जाती। 'बंदर' बना बच्चा रस्सी पकड़ता। कीले के पास सभी बच्चों के जूते-चप्पल रखे जाते। बंदर को उनकी रक्षा करनी होती, जबकि बाकी बच्चे उन्हें चुराने की कोशिश करते। जो बच्चा बंदर द्वारा छू लिया जाता, उसे अगला बंदर बनना पड़ता। इसी प्रकार 'स्टापू' यानि 'कीड़ी-काड़ा' आमतौर पर लड़कियों द्वारा खेला जाने वाला खेल था। जमीन पर चौक या ईंट से खाने बनाए जाते। एक चपटा पत्थर (थीकरी) फेंककर, एक पैर पर कूदते हुए उसे सरकाना होता था। शरीर का संतुलन बनाए रखना और लाइन को न छूना। यह पैरों की मजबूती और धैर्य की परीक्षा थी। 'स्टापू' की तरह ही 'गिट्टे' भी ज्यादातर लड़कियों द्वारा खेला जाने वाला खेल था। जिसमें पांच छोटे पत्थरों को हथेली पर उछालना, उन्हें हवा में पकड़ना और जमीन पर गिरे पत्थरों को बिना हिलाए उठाना। यह खेल अंगुलियों के जादू जैसा था।

आंगन और गलियों की वह रौनक आज जब याद करते हैं, तो एक टीस उठती है। उन खेलों में अमीर-गरीब, जात-पात का कोई भेद नहीं था। जो अच्छा खेलता, वही सरदार होता। आज के वीडियो गेम्स ने बच्चों को कमरों में अकेला कर दिया है। पुराने खेलों में दौड़ना, कूदना, लटकना और गिरना शामिल था। इससे बच्चों की हड्डियां मजबूत होती थीं, इम्युनिटी बढ़ती थी और 'विटामिन डी' (धूप) भरपूर मिलता था। आज बच्चों में मोटापा और चश्मे आम हो गए हैं। पहले बच्चे खुद नियम बनाते थे, खुद झगड़े सुलझाते थे और खुद खिलौने बनाते थे।

आज सब कुछ 'रेडीमेड' है, जिससे उनकी निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित हो रही है। सच कहूं तो ये सब खेल महज खेल नहीं थे। वे जीवन की पाठशाला थे। ढाई-तीन दशक पहले तक जो गलियां बच्चों के शोर-गुल से गुलजार रहती थीं, आज वे सन्नाटे में हैं। हम समय को पीछे नहीं ले जा सकते, लेकिन हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को यह विरासत तो सौंप ही सकते हैं। कभी वीकेंड पर मॉल ले जाने के बजाय, बच्चों को पार्क में ले जाकर 'पिठू' या 'गुल्ली-डंडा' खिलाएं। उन्हें बताएं कि 'अक्कड़ बक्कड़' में जो मजा है, वह किसी मोबाइल ऐप में नहीं। ये खेल हमारी जड़ों से जुड़े हैं, और जड़ें जितनी गहरी होंगी, भविष्य का पेड़ उतना ही ऊंचा और मजबूत होगा।

रागनी

मनोज कुमार वशिष्ठ

ऋतुराज का अभिषेक

ऋतुराज बसंत का पहरा आया, कुदरत रूप संवारा सै,
ज्ञान की देवी सरस्वती का, यो सारा जगत पुकारा सै।।

माघ महीने की शुक्ल पंचमी, मंगल घड़ी या आई सै,
बह्मा जी के कमंडल तै, जल की बूंद मुस्काई सै।
लेकै वीणा प्रकट हुई माँ, वाणी की जोत जगाई सै,
शिव का तिलक हुआ इस दिन, खुशियां जग में छाई सै।
ऋषियों ने इस दिन प्रज्ञा का, दीप अजब संवारा सै।।

कहै 'मनोज वशिष्ठ' सुणो भाई, विज्ञान का लेखा सै,
सूरज जब दिशा बदलै, यो अवसर सबनै देखा सै।
पीली सरसों खेत में झूमै, कीटों का मेल अलेखा सै,
परागण की शक्ति बढ़ जा, कुदरत का यो विशेषा सै।
विटामिन की शक्ति मिलै, सूरज का नूर करारा सै।।

पीले बाणे की महिमा भारी, मन का चाव जगावै सै,
क्रोमोथेरेपी का यो रंग, बुद्धि-तेज बढ़ावै सै।
सेरोटोनिन का स्राव बढ़ै जब, सुस्ती दूर भगावै सै,
जठराग्नि भी तेज होज्या, तन में स्फूर्ति लावै सै।
एकाग्रता और प्रज्ञा का, इसमें भेद न्यारा सै।।

कलम-दवात की पूजा करल्यो, अक्षर ज्ञान की बारी सै,
अंधकार नै मार भगाओ, प्रज्ञा की अब तैयारी सै।
हंस पै बैठी शारदा मैया, विवेक की जिम्मेदारी सै,
ज्ञान बिना यो जीवन सूना, जग में ईश्या हुश्यारी सै।
'वशिष्ठ' के विचारां नै भाई, सच का राह निहारै सै।।

कविता

कर्म चन्द केसर

कुछ ना सै

गन्दा - मन्दा फूहड़ गाणा कुछ ना सै।
लय सुर ताल बिना मुँह बाणा कुछ ना सै।

मतलब खात्तर हाथ मिल्याणा कुछ ना सै।
अपणी बोर - बड़याई गाणा कुछ ना सै।

रिश्तेदारी हो सै प्यारी बरतण की,
बात-बात पै खूँड बजाणा कुछ ना सै।

सुलफा गाँज्जा माँग धतूरा फीम बुरी,
दारु का बी पीणा-प्याणा कुछ ना सै।

बटळी करले चै कितनी धन-माया तौं,
उरियो रहजै गेल्लै जाणा कुछ ना सै।

बाँग्गे-बोळे च्यार डोंकळे लिखकै बस,
अखबारां मैं नाम छपाणा कुछ ना सै।

फास्ट फूड अर लटरम-पटरम खावैं लोग,
होटल का बी ताजा खाणा कुछ ना सै।

चाल-चलन मैं खोट मगन मोह माया मैं,
सिर टोप्पी चै भगवाँ बाणा कुछ ना सै।

जूत लगैं अर मिलैं मिठ्याई खावण नैं,
केसर इसी जगांह पै जाणा कुछ ना सै।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

थासन

लगान राशि की अदायगी न करने पर छारा गांव में लगवा दी थी आग, फरुखनगर में ऐतिहासिक बावड़ी का निर्माण करवाया

हरियाणा क्षेत्र पर भरतपुर राजाओं का भी रहा शासन

इतिहास

यशपाल गुलिया

वर्तमान हरियाणा के एक बड़े भूभाग पर भरतपुर शासकों का 10 वर्षों तक शासन कायम रहा था। इसमें मेवात, सोहना, गुड़गाव, फरुखनगर, झज्जर, बहादुरगढ़ तथा रोहतक का क्षेत्र आता था। पानीपत की तीसरी लड़ाई के बाद महाराजा सूरजमल ने दिल्ली साम्राज्य पर स्वयं अधिकार करने का इरादा कर लिया था। अपनी उसी योजना को सफल बनाने के लिए महाराजा ने प्रथम चरण में दिल्ली के आसपास कब्जा करने की ठान ली थी। तभी दो ऐसी घटनाएं घट गई, जिससे महाराजा सूरजमल को शीघ्रता से कार्रवाई करनी पड़ी थी।

प्रथम घटना के तहत जवाहर सिंह ने पिता का तख्ता पलटने का प्रयास किया था, जिसमें दोनों बाप-बेटों के मध्य पिली पोखर नामक स्थान पर सैन्य भिड़ंत हुई थी। दूसरी घटना, जहांगीरपुर गांव के बादली परगने के मुखिया खड़क सिंह गुलिया की थी। इसके तहत नवाब फरुखनगर से एक व्यंग कर देने पर नवाब खड़क सिंह को बन्दी बनाना चाहता था, परन्तु खड़क सिंह परिवार सहित बल्लभगढ़ भाग गया और वहां के जाट शासक किशन सिंह ने उसको महाराजा सूरजमल के दरबार में पेश कर दिया। खड़क सिंह ने महाराजा को बताया कि नवाब काफी अत्याचार करता है और अगर आप सेना सहित चढ़ाई कर दें तो फरुखनगर क्षेत्र पर आपका सरलता से कब्जा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1728 से फरुखनगर एक नवाबी कायम हो गई थी, जबकि झज्जर तब एक प्रशासनिक परगना मात्र था, जो 1804 में जाकर रियासत बनी थी।

इस प्रकार परिस्थितियों का आंकलन करने के बाद महाराजा सूरजमल ने वर्ष 1762 में जवाहर सिंह को एक बड़ी सेना देकर फरुखनगर पर आक्रमण करने के लिए भेजा। खड़क सिह को भी आवश्यक सैन्य सामग्री आदि के लिए सहायता करने को कहा गया। तदानुसार जवाहर सिंह की सेना ने मेवात के रास्ते हरियाणा क्षेत्र में प्रवेश किया और घाषेड़ा के आमील बहादुर सिंह को पराजित करके तावडू आदि समस्त मेवात पर कब्जा कर लिया। उसके बाद जवाहर सिंह की सेना के फरुखनगर पहुंचने पर नवाब मुसा खां की सेना ने भयंकर गोलाबारी से स्वागत किया और जवाहर सिंह की बड़ी सेना फरुखनगर के किले के बाहर से ही दो महीनों तक गोले दागती रही। महाराजा दिल्ली के आसपास कब्जा नहीं होता देखकर स्वयं अतिरिक्त सेना लेकर फरुखनगर किले के बाहर पहुंचे और एक सप्ताह बाद नवाब को सन्धि करने का झांसा दिया गया।

महाराजा सूरजमल की तरफ से रूपराम कटारी तथा नवाब की तरफ से दिवान जादवराय ने सन्धि निर्धारित की। लेकिन सन्धि के अनुरूप नवाब मुसा खां के किले से बाहर जयपुर नहीं जाने दिया गया और परिवार सहित बन्दी बनाकर डीग के किले में भेज दिया। उसके बाद जवाहर सिंह को सेना ने बहादुरगढ़, झज्जर, दुजाना व रोहतक तक अपना अधिकार कर लिया। महाराजा वापस चला गया तथा जवाहर सिंह स्वयं फरुखनगर रहने लग गया। झज्जर पर उसने राम किशन नामक जाट को प्रशासक नियुक्त कर दिया। महाराजा का दिल्ली पर कब्जे का सपना पूरा नहीं हो सका, क्योंकि अगले वर्ष 1763 में महाराजा सूरजमल ने दिल्ली पर आक्रमण तो कर दिया लेकिन एक दिन के युद्ध के बाद शाम को धोखे से मारा गया। उसके बाद जवाहर सिह फरुखनगर पर खुशहाल राय कायस्थ को हाकिम नियुक्त करके स्वयं भरतपुर लौट गया। उससे आगे हरियाणा क्षेत्र पर भरतपुर शासकों का 9 वर्षों तक ही शासन कायम रह पाया, क्योंकि उस अवधि में एक के बाद एक चार भरतपुर राजाओं की असामयिक मृत्यु हो गई थी। 1772 में फरुख नगर नवाब होकर डिग के किले से रिहा होकर लौट आया तथा फिर से नवाबी ग्रहण करने में सफल रहा। भरतपुर शासकों एवं उनके प्रतिनिधियों ने फरुखनगर में ऐतिहासिक बावड़ी का निर्माण करवाया तथा झज्जर में महादेव मोहल्ले में एक शिवालय, दुजाना में एक दर्शनीय कुआं एवं पक्के तालाब का निर्माण करवाया था। यद्यपि उन्होंने लगान राशि की अदायगी न करने पर छारा गांव में आग भी लगवाई थी, लेकिन उनका शासन होने के कारण ही 1763-64 वाले अभियान के तहत सिख इस क्षेत्र में घुस ही नहीं पाए और जीन्द तक सीमित रहे।

फरुखनगर किले का मुख्य द्वार तथा दाएं भारतपुर शासकों द्वारा फरुखनगर में निर्मित बावड़ी, जोकि अभी तक संरक्षित है।

आकाशवाणी के उद्घोषक को साहित्य से भी जुड़ा होना चाहिए : रितु

कलाकार

डा. तबस्सुम जहां

हरियाणा के हिसार आकाशवाणी की आर.जे., अच्छी शायरा और दिलों को छू लेने वाली स्टोरीटेलर रितु कौशिक कई वर्षों तक दूरदर्शन हरियाणा में न्यूज़ रीडर के रूप में कार्यरत रही हैं। इन्होंने न केवल अपनी ग़ज़लों के ज़रिए साहित्य-प्रेमियों के दिलों में ख़ास जगह बनाई है

बल्कि ये डीडी उर्दू के प्रतिष्ठित कार्यक्रम "कवि हाज़िर हो" में भी अपनी शिरकत दर्ज करा चुकी हैं। कोविड लॉकडाउन के उस बेचैन और उथल-पुथल भरे दौर में, जब चारों ओर निराशा और अकेलापन पसरा हुआ था, रितु ने आकाशवाणी के एक विशेष कार्यक्रम के माध्यम से उम्मीद की रोशनी जलाई।

उन्होंने एक ऐसी शृंखला की शुरुआत की, जिसके मंच पर देश के अज़ीम ग़ज़लकारों और कवियों को जोड़ा। उनके साक्षात्कारों और रचनाओं के ज़रिए श्रोताओं को मानसिक संबल दिया और साहित्य के माध्यम से लॉकडाउन के अवसाद से बाहर निकलने का एक ख़ूबसूरत और सराहनीय प्रयास किया। रितु आकाशवाणी से अपने लगाव के संबंध में बताती हैं कि उन्हें बचपन से रेडियो का शौक मम्मी से मिला, जो हमेशा रेडियो सिलोन सुना करती थीं। कॉलेज के समय लेखन और काव्य गोष्ठियों से होते हुए आकाशवाणी में युवा वाणी के लिए इनका चयन हुआ और 2002 में हिसार स्थानांतरण के बाद ऑडिशन

पास कर तब से वह उद्घोषिका के रूप में कार्यरत हैं। इसके अलावा दूरदर्शन हिसार में न्यूज़ रीडर के रूप में कार्य करने को भी वह अपनी एक बड़ी उपलब्धि मानती हैं। उनके अनुसार दूरदर्शन में लाइव कार्यक्रमों की उनकी एंकरिंग की शुरुआत हुई और फिर वह न्यूज रीडर बनी।

दूरदर्शन में न्यूज रीडिंग का अपना तिलिस्म है, जिससे अधिक से अधिक लोग जुड़ना चाहते हैं। रितु बताती हैं कि न्यूज पढ़ते समय प्रवाह, आत्मविश्वास और फोटोजेनिक व्यक्तित्व का भी विशेष महत्व होता है। इच्छुक अभ्यर्थी अख़बार पढ़कर, आईने के सामने अभ्यास करें, सामान्य ज्ञान मजबूत रखें और वेकेंसी आने पर ऑडिशन दें। रितु ने एक लम्बे अरसे तक दूरदर्शन हिसार में न्यूज़ रीडर के तौर पर समय बिताया है, इसलिए दूरदर्शन का यहां से जाना उनके लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था क्योंकि यह किसानों, विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों और लोक कलाकारों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच था। शायरी और ग़ज़लों के क्षेत्र मे रितु ने अच्छा नाम कमाया है लेकिन कमाल की बात यह है कि उनकी पृष्ठभूमि कभी साहित्यिक नहीं रही। उन्होंने 15 वर्ष की उम्र में ग़ज़ल लिखना शुरू कर दिया था, जो शादी के बाद छूट गया था। 15 साल बाद अपने बेटे की प्रेरणा से दोबारा लेखन शुरू किया और जल्द ही अपनी लाजवाब ग़ज़ल गोई से बड़े मुशायरों व जश्न-ए-रेख़्ता, जश्न-ए-अदब जैसे मंचों तक जा पहुंची।

आकाशवाणी में एक आरजे के तौर पर कार्य करने के अनुभव के सम्बन्ध में वह बताती हैं कि आकाशवाणी उनका पहला जुनून है, जिसने समय के साथ खुद को लगातार बदला है। आज भी तमाम माध्यमों के बीच आकाशवाणी ने श्रोताओं के दिल में अपनी अलग और खास जगह बना रखी है। आकाशवाणी स्टूडियो में एकांत में बैठकर प्रोग्राम करना यह अनुभव ही उनके लिए बेहद आनंददायक है। कभी महसूस ही नहीं होता कि अकेले बोल रहे हैं। श्रोताओं से बढ़ता स्नेहिल जुड़ाव और लाइव कार्यक्रमों में उनके संदेश इसे और खास बना देते हैं। प्राइवेट एफएम और आकाशवाणी में मूलभूत अंतर के प्रश्न पर रितु जी का मानना है कि है कि प्राइवेट एफएम और आकाशवाणी में लहजे व कंटेंट का फर्क है। आकाशवाणी शालीन, मर्यादित और लोक संस्कृति से जुड़ा माध्यम है, जो हर वर्ग के लिए कार्यक्रम देता है।

स्वयं उनके शब्दों में- 'मेरे लिए आकाशवाणी सर्वोपरि है और समय के साथ अपडेट होकर इसने आज भी अपनी मजबूत पहचान बनाए रखी है। कोरोना काल में स्टूडियो इंटरव्यू संभव न होने पर ऑनलाइन रिकॉर्डिंग से "साहित्य कलश" शृंखला शुरू की, जिसमें हरि ओम पंवार, सुरेंद्र शर्मा, चंदन दास, अरुण जैमिनी, वसीम बरेलवी, राजेश रेड्डी और फहमी बदायूंनी जैसे प्रतिष्ठित कवि-शायर शामिल हुए। नर्म लहजे, साफ़ तलफ्फुज़ और मधुर आवाज़ वाली रितु कौशिक अमीन सयानी को सुनकर बड़ी हुईं, जिनसे उन्होंने बहुत कुछ सीखा। रितु के अनुसार आकाशवाणी के उद्घोषक को साहित्य से भी जुड़ा होना चाहिए क्योंकि उसका रचनात्मक होना बेहद ज़रूरी है। पहले गूगल भी नहीं था, तब हर ओपनिंग-क्लोज़िंग खुद लिखनी पड़ती थी। आज एआई मदद कर सकता है, लेकिन साहित्यिक ज्ञान ही किसी कार्यक्रम को सच में बेहतर बनाता है।

बच्चों को शुरू से ही शुद्ध हिंदी सिखाएं

आरजे रितु कौशिक कहती हैं कि स्कूल के साथ माता-पिता का भी दायित्व है कि बच्चों को शुरू से शुद्ध हिंदी सिखाएं, क्योंकि क्षेत्रीय बोली वे स्वाभाविक रूप से सीख लेते हैं। उनके विचार से व्यक्तित्व विकास और आगे बढ़ने के लिए अपनी बोली, हिंदी और अंग्रेज़ी तीनों का अच्छा ज्ञान जरूरी है।

खबर संक्षेप

झुप्पा खुर्द गांव में क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ करते जिप वाइस चेयरपर्सन प्रतिनिधि संजय जांगड़ा।

खेलों में भी बेहतर करियर बना सकते हैं युवाः जांगड़ा

लोहारू। जिला परिषद वाइस वाइस चेयरपर्सन प्रतिनिधि संजय जांगड़ा ने कहा कि ग्रामीण परिवेश के युवाओं आज भी खेलों के प्रति काफी उत्साह है, युवा कड़ी मेहनत और प्रतिभा से खेलों में भी बेहतर करियर बना सकते हैं। वाइस चेयरपर्सन प्रतिनिधि जांगड़ा गांव झुप्पा खुर्द में ग्रामीणों के सहयोग से आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ कर रहे थे। जांगड़ा ने कहा कि खेल भावना से खेलते हुए खिलाड़ी अवश्यक ही जीत हासिल करता है। यहीं हारने वाली टीम के खिलाडिय़ों को निराश होने की बजाए अपनी कमियों को सुधारने का प्रयास करना चाहिए। इस दौरान ग्रामीण संजय कुमार ने खेल प्रतियोगिता के बारे में विस्तार से बताया। इस मौके पर अनेक खिलाड़ी और ग्रामीण मौजूद थे।

प्रोजेक्ट तैयार करते समय करंट से छात्र की मौत

नारनौल। शहर के मोहल्ला गस्तीवाड़ा में रविवार दसवीं कक्षा के स्टूडेंट की करंट लगने से मौत हो गई। 15 वर्षीय युवक अपने स्कूल के साइंस प्रोजेक्ट पर काम कर रहा था। इस घटना के बाद पूरे मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई है। शहर के मोहल्ला गस्तीवाड़ा निवासी विनोद का छोटा बेटा कार्तिक घर पर साइंस प्रोजेक्ट तैयार कर रहा था। कार्तिक स्थानीय मॉडल संस्कृति स्कूल में कक्षा दसवीं का छात्र था और पढ़ाई में काफी होनहार माना जाता था। परिजनों के अनुसार वह साइंस प्रोजेक्ट के काम के दौरान वह बिजली के तारों को जोड़ने के लिए सोल्डरिंग आयरन का इस्तेमाल कर रहा था। इसी दौरान अचानक उसे जोरदार करंट लगा और वह अचेत होकर जमीन पर गिर पड़ा। परिजनों को जैसे ही हादसे का पता चला, वे आनन-फानन में कार्तिक को लेकर नागरिक अस्पताल पहुंचे। डॉक्टरों ने उसे बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन करंट इतना तेज था कि कार्तिक के शरीर ने पहले ही दम तोड़ दिया था।

दस साल बाद भी नहीं मिला क्षेत्र को बाईपास, बनी गंभीर समस्या

जाम से जूझ रहा बाढ़ड़ा का मुख्य क्रांतिकारी चौक, राहगीर और वाहन चालक परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढ़ड़ा

कस्बे को आज भी मुलभूत सुविधाओं के लिए तरसना पड़ रहा है

कस्बे में बाईपास न होने से यहां के मुख्य क्रांतिकारी चौक पर हर समय वाहनों से जाम बना रहता है, जिससे कस्बे के व्यापारी व आमजन परेशानी से जूझ रहे हैं। यहां से गुजरने वाले चारों सड़क मार्गों के दोनों तरफ अवैध वाहनों, रेहड़ियों के जमावड़े के कारण राहगीरों व वाहन चालकों का यहां से गुजरना मुश्किल हो रहा है।

वहीं प्रशासन आंखे बंद किए हुए हैं जिससे प्रशासन के प्रति गहरा रोष बना हुआ है। दस हजार से अधिक आबादी वाले कस्बे को आज भी मुलभूत सुविधाओं के लिए तरसना पड़ रहा है। उल्लेखनीय हैं कि कस्बे में न आवागमन के लिए चौड़े सड़क मार्ग है और जो हैं उन पर रेहड़ी व अवैध वाहनों का कब्जा है। कस्बे के मुख्य क्रांतिकारी चौक से बाढ़ड़ा जुई, सतनाली, लोहारु व चरखी दादरी के लिए प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं लेकिन अधिकतर समय तक उनको जाम में ही फंसा रहना पड़ता है। कस्बे की जनता की मांग पर प्रदेश सरकार ने कस्बे में वाहनों के बढ़ते बोझ से निजात दिलवाने के लिए रिंग रोड़ या मिनि बाईपास का दो बार प्रस्ताव भेजा जो पिछले दस साल से केवल कागजी कार्यवाही में उलझ कर रह गया है।

सांसद धर्मबीर सिंह के मांगपत्र पर लोकनिर्माण विभाग ने मिनि बाईपास की फाईल को अंतिम रुप तक पहुंचा दिया था लेकिन अब वह भी ठंडे बस्ते में है जिससे आमजन को मुख्य चौक पर जाम से परेशानी में उलझना पड़ रहा है।

बाढ़ड़ा। कस्बे के मुख्य क्रांतिकारी चौक पर लगा वाहनों का जाम।

सुबह व दोपहर के समय तो स्कूली बसों के कारण आधा आधा घंटे तक जाम लगना आम बात हो गई है। व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष बलजीत सिंह हंसावास, जगतसिंह बाढ़ड़ा, कस्बे के व्यापारी नेता जयबीर काकड़ौली, आदि ने बताया कि कस्बे में आबादी बढऩे से अब पुरानी सड़कों पर अतिक्रमण की भरमार बनी हुई है। वह बार -बार सरकार से अलग से बाईपास निर्माण की अपील कर रहे हैं लेकिन केवल कोरे आश्वासन मिल रहे हैं। इससे दुकानों के सामने ही रेहड़ी व लंबे रुट पर जाने वाले वाहनों की भीड़ लगी रहती है और जाम से उनके व्यापार पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। बाईपास के निर्माण से दिल्ली पिलानी व हिसार नारनौल रेवाड़ी को जाने वाले वाहन बाइपास से निकल जाएंगे।

विकास पर लगा ग्रहण

उपमंडल मुख्यालय पर बाईपास न होने से बाजार के विकास पर भी ग्रहण लगा हुआ है और इसके विस्तार में रुकावट बना हुआ है। कस्बे में बाईपास की कमी से सरकारी संस्थानों के निर्माण हो या व्यापारी किसी भी सड़कमार्ग पर निजि व्यवसाय शुरु करने में हिचक रहे हैं। बाईपास या रिंग रोड़ निर्माण होने से बड़े शहरों को जाने वाले वाहन बेरोकटोक गुजर सकते हैं वहीं कस्बे का दूरदराज तक रिहायशी व कमर्शियल तौर पर फैलाव होगा।

सड़कें टूटी-फूटी

व्यापार मंडल अध्यक्ष सुंदपाल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने भले ही कस्बे में बाईपास न मिला हो लेकिन हर मामले में ही सरकार आंखे बंद किए हुए है। उपमंडल का दर्जा मिलने के बावजूद आज वर्षो पूर्व निर्मित सड़कें टूटी फूटी हैं वहीं गंदे जल निकासी के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। कस्बे से गुजरने वाले सड़कमार्गो के दोनों तरफ दुकानों के सामने प्लेटफार्म निर्मित न होने से जनता परेशानी से जूझ रही है। व्यापार मंडल सफाई व अन्य कामकाज तो संभाल रही है, लेकिन यहां मुलभूत सुविधाओं का प्रबंध करना सरकार व प्रशासन की जिम्मेदारी है।

बाढ़ड़ा। तहसील कार्यालय के पास रास्ते में भरा दूषित पानी। *फोटो: हरिभूमि*

तहसील कार्यालय के पास जमा दूषित पानी बना परेशानी

- प्रशासन की अनदेखी से बढ़ी लोगों की परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढ़ड़ा

कस्बे के मु2य तहसील कार्यालय के पास पिछले कई माह से दूषित पानी भरा होने से हालात बदतर होते जा रहे हैं। रोजाना सैकड़ों की सं2या में ग्रामीण, महिलाएं, बुजुर्ग और छात्र अपने राजस्व संबंधी कार्यों के लिए यहां पहुंचते हैं, लेकिन कार्यालय के बाहर फैले गंदे पानी के कारण उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। तहसील परिसर के मुख्य प्रवेश मार्ग के पास पानी भर जाने से कीचड़ और बदबू का माहौल बना हुआ है। उक्त समस्या के चलते लोगों को जूते-चप्पल हाथ में लेकर पानी के बीच से गुजरना पड़ रहा है। कई बार बुजुर्गों और महिलाओं के फिसलने की घटनाएं भी सामने आई हैं। दुकानदार अनिल, सुरेश,मंजीत, अशोक, योगेश आदि का कहना है कि बदबू और गंदगी के कारण ग्राहकों की सं2या में भी कमी आई है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि नालियों की नियमित सफाई नहीं होने और जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। बरसात न होने के बावजूद पानी का लगातार जमा रहना गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। मच्छरों की बढ़ती सं2या से डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक रोगों का खतरा भी मंडराने लगा है।

स्थायी समाधान हो

ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से मांग की है कि तुरंत प्रभाव से पानी की निकासी करवाई जाए, नालियों की सफाई करवाई जाए और स्थायी समाधान किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने। लोगों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

व्याख्यान व्यक्तित्व विकास में सहायक

- छात्राओं को आत्मविश्वास एवं सकारात्मक दृष्टिकोण से आगे बढ़ने को किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ द्वारा विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. त्रिलोकचंद की अध्यक्षता व महिला प्रकोष्ठ प्रभारी प्रोफेसर मोनिका के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. त्रिलोकचंद ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे मार्गदर्शनपरक व्याख्यान विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भिवानी। राजीव गांधी महिला महाविद्यालय में व्याख्यान देते वक्ता। *फोटो: हरिभूमि*

सकारात्मक दृष्टिकोण से आगे बढ़ें

प्राचार्य डॉ. त्रिलोकचंद ने छात्राओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हुए आत्मविश्वास एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा महिला प्रकोष्ठ की पहल की सराहना की। इसके पश्चात मुख्य वक्ता के रूप में योगेश सैनी ने विद्यार्थियों को "साक्षात्कार के डर को कैसे दूर करें" विषय पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। इस मौके पर महिला प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. बबीता तंवर, प्रो. रूपम, डॉ. भामा, प्रोफेसर अजीत कुमार, प्रोफेसर राजेश लांग्यान, परमानंद, अनीता, नरेंद्र, डॉ. ज्योति आदि शामिल थे।

छात्रवृत्ति परीक्षा में 1200 से अधिक विद्यार्थी बैठे

- सीबीएस स्कूल मौड़ी में 1500 बच्चों ने करवाया था रजिस्ट्रेशन

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें मंच प्रदान करने के उद्देश्य से रविवार को सीबीएस स्कूल मौड़ी में एक विशाल छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से लगभग 1200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि नवीन श्योराण संचालक, एपीएस स्कूल दादरी और विद्यालय प्रबंधन द्वारा मां सरस्वती की वंदना एवं शिवलिंग पर जलाभिषेक के साथ किया। आध्यात्मिक और सात्विक वातावरण के बीच परीक्षा की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया। परीक्षा शुरू होने से पहले स्कूल के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनका उद्देश्य मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक संदेश देना भी था। छात्रों द्वारा प्रस्तुत गुरु-भक्ति पर आधारित एकलव्य के नाटक ने सभी की आंखों को नम कर दिया।

चरखी दादरी। अतिथियों के साथ विद्यार्थी। *फोटो: हरिभूमि*

लघु नाटिक पेश की

मंचन इतना सजीव था कि वहां उपस्थित अभिभावक भावुक हो उठे। इसके अलावा वर्तमान समय में बच्चों में बढ़ती मोबाइल की लत को लेकर एक लघु नाटिका पेश की गई, जिसके माध्यम से बच्चों को गैजेट्स से दूर रहकर पढ़ाई और खेलकूद पर ध्यान देने की प्रेरणा दी गई। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि इस छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए कुल 1500 बच्चों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जिनमें से 1200 बच्चे परीक्षा में सम्मिलित हुए।

बवानीखेड़ा। गांव मुंढ़ाल की श्रीकृष्णा गौशाला सांग का मंचन करते कलाकार।

सांगी कुलदीप उमरा की टीम ने हीर-सांझा सांग का किया मंचन

बवानीखेड़ा। गांव मुंढ़ाल स्थित श्रीकृष्णा गौशाला परिसर में हरियाणवी लोक साहित्य और सांग परंपरा को समर्पित भव्य सांग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। 8 फरवरी से शुरू हुए सांस्कृतिक आयोजन ने पूरे क्षेत्र में लोक संस्कृति के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया है। 8 से 11 फरवरी तक ग्राम पंचायत बांडाहेड़ी की ओर से सांगों का मंचन करवाया जाएगा, जिसमें प्रख्यात सांगी कलाकार सुभाषचंद्र एवं उनकी टीम ने शानदार प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मनमोह लिया। रविवार को सांगी कलाकार कुलदीप उमरा एवं उनकी टीम ने हीर सांझा सांग का मंचन किया। उनकी दमदार गायकी एवं जीवंत अभिनय ने हरियाणवी लोक परंपरा को मंच पर संजीव कर दिया। कार्यक्रम के दौरान भारी संख्या में दर्शक पहुंचे और पूरा परिसर लोक रंग में रंगा नजर आया।

सिग्नल वेटरन एसो. ने शहीदों को किया नमन

- मुख्यतिथि कर्नल रघुबीर व अन्य विशिष्ट अतिथियों का कार्यकारिणी ने पगडी व मोमंटों से सम्मान किया

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

सिग्नल वेटरन एसोसिएशन चरखी दादरी ने सुबेदार सोमबीर शर्मा के नेतृत्व में सिग्नल कोर के 116वें स्थापना दिवस मनाया। सर्वप्रथम परंपरा के अनुरूप शहीदों को श्रद्धासुमन नमन व उनके देश के प्रति सर्वोच्च बलिदान को याद किया व शहीदों के सम्मान में दो मिनट का मौन भी रखा। इसके बाद कोर डे स्तुति गीत गौरवमई महिमा गान सभी ने किया। जिला एसोसिएशन के निर्णय अनुसार चरखी दादरी के उम्र में सबसे बडे वरिष्ठ वेटरन रामचन्द्र की अगुवाई में समारोह के मुख्यतिथि कर्नल रघुबीर व अन्य

चरखी दादरी। कार्यक्रम में उपस्थित सिगनलस वेटरन एसोसिएशन के पदाधिकारी।

इन्हें किया सम्मानित

कार्यकारिणी के सभी सदस्य वेटरन सोमबीर शर्मा, वेटरन धर्मपाल, वेटरन राजकुमार, वेटरन पवन कुमार, वेटरन खजान सिंह, वेटरन सतीश कुमार, वेटरन जयप्रकाश, वेटरन सन्नी सांगवान को भी कोर डे समारोह में सिगनल कोर महत्व पर प्रेरणा स्वरूप देश की रक्षा, सुरक्षा में सफल संचार की अहमियत को दर्शाने पर डॉ अरूण श्योराण ने सम्मानित किया।

रक्षा में सिगनल कोर का अहम रोल

समारोह के मुख्य अतिथि कर्नल रघुबीर ने बताया कि देश की सुरक्षा व रक्षा में सिगनल कोर का अहम रोल होता है। हम सिगनल संचार के बिना कोई युद्ध नहीं जीत सकते और न ही सही दिशा की और जा सकते। बतौर मुख्य अतिथि कर्नल रघुबीर ने सिगनल के सभी बहादुर जवानों की वीरता व उनके साहस पराक्रम को सलाम किया तथा सिगनल एसोसिएशन का आभार जताया। बतौर विशिष्ट अतिथि कर्नल किशन व डॉ मेजर देशवाल ने सिगनल कोर के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए सभी को अवसर की बधाई दी।

विशिष्ट अतिथियों का कार्यकारिणी ने पगडी व मोमंटों से सम्मान किया। समारोह 80 साल से उपर के सभी वेटरन को सम्मानित किया गया।

साइकिल जागरूकता रैली निकाल पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ रहने का दिया संदेश

भिवानी। चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी की अध्यक्षता एवं डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रोफेसर सुरेश मालिक के मार्गदर्शन में योग और साइकिल कैंपेन का आयोजन किया। कार्यक्रम का संदेश फिटनेस की डोज आधा घंटा हर रोज एवं रविवार ऑन साइकिल रहा। इस दौरान फिजिकल एजुकेशन और योग विभाग के चेयरपर्सन डॉ. लक्खा सिंह की देखरेख में योग की क्रियाएं की। योग क्रियाओं में सूर्यनमस्कार ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, सूक्ष्म व्यायाम, ओम उच्चारण आदि एवं साइकिल कैंपेन किया। साइकिल कैंपेन में लगभग 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस उपलक्ष्य में डॉ. अनुराग सचान, डॉ. सुनील भारद्वाज, डॉ. धर्मवीर आदि स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। डॉ. लक्खा सिंह ने बताया कि पहला सुख निरोगी काया ये मूवमेंट एक दिन के लिए नहीं, बल्कि जीवन में हररोज होना चाहिए, तभी हमारा देश स्वस्थ होगा और आगे बढ़ेगा, ऐसा हमें आज प्रण करना चाहिए। विश्वविद्यालय के ओल्ड कैंपस से हांसी गेट तक साईकिल जागरूकता रैली निकाली गई।

सुपर 100 विद्यार्थियों को किया सम्मानित

- एपीएस विद्यालय में आयोजित परीक्षा में 4500 विद्यार्थियों ने लिया था भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

एपीएस विद्यालय में मैथ्स एंड साइंस ओलंपियाड के सुपर 100 विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया। एपीएस विद्यालय में एक फरवरी को मैथ्स एंड साइंस ओलंपियाड था, जिसमें दादरी, झज्जर, रोहतक और भिवानी क्षेत्र से 4500 मेधावी विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगी परीक्षा में कक्षा पहली से दसवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया और कुछ विद्यार्थियों कक्षा में टॉप 20 में नाम दर्ज करवाकर लाखों के इनाम जीते।

चरखी दादरी। विद्यार्थियों को सम्मानित करते अतिथि। *फोटो: हरिभूमि*

टॉप 20 को नगद इनाम दिया

एपीएस विद्यालय ने उसी दिन टॉप 20 का रिजल्ट विद्यार्थियों को नगद इनाम देकर सम्मानित किया व ग्रुप टॉपर की भी घोषणा की। विद्यालय में सुपर 100 विद्यार्थियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में दूर-दूर से अभिभावकगण अपने मेधावी बच्चों के साथ कोचिंग विंग (मल्टीपर्पज हॉल) में पधारे। इस मौके पर एमडी नरसिंह चाहर, रामकिशन श्योराण, अंजू गोयत, नवीन कुमार निदेशक, लक्ष्मी सांगवान प्रधानाचार्या, शशी फोगाट उपप्रधानाचार्य उपस्थित रहे। समारोह में कक्षा पहली से दसवीं तक के प्रत्येक कक्षा के सुपर 100 विद्यार्थियों को अकादमी कौशल, तार्किक क्षमता और समस्या समाधान कौशल के लिए मंच पर सम्मानित किया।

हिंदू पूरी दुनिया को परिवार समझता, हिंसा से दूर हर धर्म एवं जाति का सम्मान करता: स्वामी

माता-पिता बच्चों में संस्कार और संस्कृति का करें समावेश: दीप्ति धर्माणी

हिंदू सम्मेलन में श्रद्धालुओं को धर्म संस्कृति-मानव सेवा का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर में हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि सीबीएलयू से कुलपति दीप्ति धर्माणी ने विशेष रूप से शिरकत की। मंदिर पहुंचने पर आयोजकों व श्रद्धालुओं ने फूलमालाओं से स्वागत किया।

इस अवसर पर अनेक संत-महात्माओं ने अपने ओजस्वी प्रवचनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, संस्कृति और मानव सेवा का संदेश दिया। स्वामी मुकुंद शरण महाराज ने कहा कि वर्तमान समय में समाज को आध्यात्मिक ऊर्जा की आवश्यकता है और ऐसे धार्मिक आयोजनों से लोगों के भीतर नैतिकता, संस्कार और सकारात्मक सोच का विकास होता है।

भिवानी। हिंदू सम्मेलन में विद्यार्थियों को सम्मानित करते अतिथि। *फोटो: हरिभूमि*

सेवा भाव को अपनाएं

उन्होंने गीता के उपदेशों का उल्लेख करते हुए बताया कि मनुष्य को कर्मयोग के मार्ग पर चलते हुए सत्य, अहिंसा और सेवा भाव को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदू सम्मेलन का मतलब हैं कि पूरी दुनिया को अपना परिवार समझने और हिंसा से दूर रहना। उन्होंने कहा कि हिंदू व्यक्ति हिंसा से दूर रहता है और हर धर्म एवं जाति का सम्मान करता है। महंत चरणदास, महेंद्र राजनाथ महाराज, ब्रह्माकुमारी पूनम बहन ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया। मुख्यतिथि कुलपति डॉ. धर्माणी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं और आपसी सद्भाव, भाईचारा तथा नैतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। उन्होंने आयोजकों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के समापन पर संत-महात्माओं एवं अतिथियों व सामाजिक कार्यकर्ता को प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया तथा श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण किया। आयोजक नरेश आहूजा, आरएसएस से सुनील कुमार व विनोद छाबड़ा ने बताया कि ऐसे धार्मिक आयोजनों का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक जागरूकता फैलाना है।

भिवानी। जोगीवाला शिव मंदिर में शिवभक्त की कांवड़ का गंगाजल खोलते महंत वेदनाथ महाराज, जोगीवाला शिव मंदिर में शिवलिंग पर जलाभिषेक करने के लिए लगी कतारबद्ध खड़े श्रद्धालु, बाबा जहरगिरी मंदिर में शिवलिंग पर जलाभिषेक करते श्रद्धालु व मंदिर में शिवभक्त की कांवड़ का गंगाजल खोलते श्रीमहंत डॉ. अशोक गिरी।

शिवालयों में श्रद्धालुओं की लगी लम्बी लाइन , शिवलिंग पर जलाभिषेक कर की पूजा-अर्चना

महाशिवरात्रि पर्व पर सजी छोटी काशी, बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजे शिवालय

श्रद्धालुओं ने गंगाजल, दूध, दही और बेलपत्र से भगवान शिव की आराधना की

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

फाल्गुन माह की महाशिवरात्रि पर्व पर छोटी काशी में शिवालयों में अलसुबह से ही शिव भक्तों की लाइनें लगनी शुरू हो गई थी। शिवालयों में पूरे दिन बम- बम भोले व हर-हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने शिवालयों में कतारबद्ध खड़े होकर घंटों अपनी बारी का इंतजार किया और बारी आने पर शिवलिंग पर जलाभिषेक एवं पूजा अर्चना कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। जोगीवाला शिव मंदिर में सुबह से ही शिव भक्त श्रद्धालुओं ने गंगाजल, दूध, दही और बेलपत्र से भगवान शिव की आराधना की। पूरे दिन मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम-बम' के जयघोष से गूंजते रहे। उल्लेखनीय हैं जोगीवाला शिव मंदिर छोटी काशी का प्रसिद्ध शिवालय हैं, जहां अलसुबह से ही शिवलिंग पर जलाभिषेक करने को श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी लाइनें लग जाती है। मंदिर परिसर में लगी लाइनों को देखकर भगवान शिव के प्रति भक्तों की आस्था का अंदाजा लगाया जा सकता हैं। यहां पर तो शिवभक्तों की प्रतिदिन भीड़ लगी रहती हैं और महाशिवरात्रि तो भगवान शिव की पूजा अर्चन का विशेष दिन हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को ही भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह संपन्न हुआ था, जिसे शिव-शक्ति के मिलन का प्रतीक माना जाता है। महाशिवरात्रि पर मुख्य रूप से रात्रि के चार प्रहरों में पूजा करने का विधान है। इसी क्रम में श्रद्धालुओं ने प्रातः काल सूर्योदय से पहले उठकर स्नान कर सफेद कपड़े धारण कर भगवान शिव के सामने हाथ में जल लेकर व्रत का संकल्प किया। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर सबसे पहले शुद्ध जल चढ़ाया और इसके बाद पंचामृत दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से शिवलिंग का अभिषेक किया और बेलपत्र भी चढ़ाया और अंत में पुनः गंगाजल एवं शुद्ध जल अर्पित किया। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जलाभिषेक करके परिवार की सुख समृद्धि की मन्नतें मांगी। जोगीवाला शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की सबसे ज्यादा भीड़ रही और श्रद्धालुओं को घंटों लाइनों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा। महाशिवरात्रि पर अधिकतर शिव भक्तों ने उपवास रखा और भगवान शिव की पूजा अर्चना करने के बाद ही चाय या फलाहार किया। महाशिवरात्रि पर जोगीवाला शिव मंदिर के साथ साथ बाबा जहरगिरी आश्रम, जोहड़ीवाला हनुमान मंदिर शिवालय, श्योलाल पुरी मंदिर, टेकासूजी शिव मंदिर, हीरापुरी मंदिर, लोहड़ वीर मंदिर, सिद्धपीठ लाल महादेव अखाड़ा वाला मंदिर सहित शहर के अनेक शिवालयों में अलसुबह से ही श्रद्धालुओं की अच्छी खासी भीड़ लगनी शुरू हो गई थी, जिन्होंने काफी समय तक अपनी बारी का इंतजार कर शिवलिंग पर जलाभिषेक किया।

भिवानी। जोगीवाला शिव मंदिर में शिवलिंग पर जलाभिषेक करती श्रद्धालु।

इनसे करें भगवान शिव की पूजा अर्चना

भगवान शिव की पूजा अर्चना करने के लिए 11 या 21 बेलपत्र चढ़ाएं। इसके साथ ही इस बात का विशेष ध्यान रखे कि बेलपत्र का चिकना हिस्सा शिवलिंग की ओर होना चाहिए। इसके साथ ही धतूरा, भांग, शमी के पत्र, सफेद चंदन का तिलक, भस्म, अक्षत, सामक, दक्षिणा, दही, पंच रस, इत्र, रोली, बेलपत्र, धतूरा, भांग, पंच फल,पंच मेवा, पुष्प, कच्चा दूध, कपूर, धूप, दीप, शुद्ध देशी घी, जनेऊ, पंच मिठाई, शहद, गंगाजल आदि शिवलिंग पर अर्पित करने चाहिए। इसके अलावा माता पार्वती को लाल चुनरी व श्रृंगार की सामग्री अर्पित करनी चाहिए। शिवलिंग के सामने घी का चौमुखी दीपक जलाएं और अगरबत्ती या धूप दिखाएं। शिवलिंग की पूजा के दौरान 'ॐ नमः शिवाय' या महामृत्युंजय मंत्र का कम से कम 108 बार जाप करना चाहिए। पूजा के अंत में शिव जी की आरती गाएं और भूल-चूक के लिए क्षमा प्रार्थना करें।

महाशिवरात्रि पर लगे मेले में की खरीददारी

सभी शिवालयों में महाशिवरात्रि पर्व पर मेला भरता हैं, जिसमें महिलाओं श्रृंगार की स्टॉलों पर खरीदारी की और बच्चों ने खेल खिलौने खरीदें। वहीं महिलाओं ने श्रृंगार का सामान खरीदा। जोगीवाला शिव मंदिर के बाहर खेल खिलौनों, श्रृंगार व खान पान की अनेक स्टॉल व रेहड़ियां लगी, जिन पर खूब भीड़ लगी रही।

सैंकड़ों की संख्या में कांवड़ लेकर पहुंचे शिवभक्त

जोगीवाला शिव मंदिर, बाबा जहरगिरी मंदिर, जोहड़ीवाला हनुमान मंदिर सहित अनेक शिवालयों में सैंकड़ों की संख्या में शिवभक्त कांवड़िये कांवड़ लेकर पहुंचे। शिवभक्त कांवड़ियें हरिद्वार, गंगौत्री, गौमुख व नीलकंठ से पैदल यात्रा करते हुए शिवालयों में पहुंचे और यहां आकर मंदिरों के महंत से जल खुलवाकर शिवलिंग पर जल चढ़ाया और भगवान शिव की अराधना की। जोगीवाला मंदिर के महंत वेदनाथ महाराज ने कांवड़ का गंगाजल खोलकर उनका जलाभिषेक करवाया। वहीं बाबा जहरगिरी आश्रम के श्रीमहंत डॉ. अशोक गिरी व जोहड़ीवाला हनुमान मंदिर के महंत चरणदास महाराज ने भी कांवड़ का जल खोलकर उनका शिवलिंग पर जलाभिषेक करवाया।

महाशिवरात्रि पर ब्रह्मावत्सों ने निकाली प्रभातफेरी

भिवानी। महाशिवरात्रि पर प्रभात फेरी निकालते श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की शाखा गौशाला मार्केट व शाखा सिद्धिधाम के ब्रह्मावत्सों द्वारा राजयोगिनी बीके कीर्ति बहन व राजयोगिनी बीके सुमित्रा बहन के सानिध्य में महाशिवरात्री के पर्व पर प्रभात फैरी निकाली। इस दौरान उपस्थित ब्रह्मावत्सों को संबोधित करते हुए बीके सुमित्रा बहन ने कहा कि शिव परमात्मा वो ज्योति है। जो सर्व धर्म मान्य, सर्व के हितकारी, सर्व पुज्य, सर्वज्ञय हैं। परमात्मा शिव निराकार ज्योति बिंदु हैं। उन्होंने कहा कि सर्व आत्माओं के पिता देवों के देव महादेव हैं, जैसे सूर्य की रोशनी में सात प्रकार के रंग छीपे होते हैं वैसे ही सर्व शक्तियों की जन्नी है, शांति की शक्ति तथा इसके श्रोत हैं परमात्मा शिव। बीके कीर्ति बहन ने बताया कि शिव पिता अखुट बेहद शांति के भण्डार हैं। वे शांति धाम के निवासी हैं, जहां शांति ही शांति है। हम सभी मनुष्य आत्माएं उस शांति धाम के निवासी हैं और शिव पिता के बच्चे हैं। शांति धाम से इस पृथ्वी पर आकर शरीर धारण कर हम सभी सृष्टि रूप नाटक में कार्य कर रहे हैं और अपना किरदार निभा रहे हैं। इस अवसर पर पार्षद बिल्लू बादशाह, बीके श्वेता, बीके आरती, बीके हीना, बीके कल्पना, बीके माया, बीके मुकेश, बीके अंजनी, बीके सुनीता, बीके राज, बीके वंदना, बीके द्रोपदी, बीके कविता, बीके पूनम, बीके भीम सिंह चौहान, बीके सुनील, बीके मनोज, बीके लालचंद, बीके हिंदराज, मीडिया कॉर्डिनेटर धर्मवीर सहित अनेक ब्रह्मावत्स उपस्थित रहे।

■ परमात्मा शिव निराकार ज्योति बिंदु हैं: सुमित्रा बहन

परमात्मा शिव देवों के भी देव महादेव

■ आध्यात्मिकता से ही घर परिवार व समाज में आ सकती सुख शांति सद्भावना : चांदपति

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

महाशिवरात्रि पर्व पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की कादमा शाखा में परमपिता परमात्मा शिव व शंकर की झांकी व शिव दर्शन आध्यात्मिक प्रदर्शनी लगाई। झांकी के माध्यम से परमात्मा शिव के वास्तविक स्वरूप एवं उनके कल्याणकारी संदेश को दर्शाया। प्रदर्शनी में झांकी का शुभारंभ कादमा सरपंच चांदपति, ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन, रेखा, रितु, मोनिका,अनुज आदि ने शिवलिंग पर पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर सरपंच चांदपति ने झांकी का उद्घाटन करत शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आध्यात्मिकता से ही घर परिवार व समाज में सुख शांति सद्भावना आ सकती है। ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने कहा कि भारत को 33 करोड़ देवी-देवताओं का देश कहा जाता है, लेकिन उन सभी के मूल में एक ही परमशक्ति परमपिता परमात्मा शिव हैं।

भिवानी। शिव पूजन करती बीके बहनें व श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

जीवन को श्रेष्ठ बनाने का संदेश दिया

विभिन्न धर्मों में उन्हें अलग-अलग नामों और रूपों से पूजा जाता है, किंतु केंद्र-बिंदु एक ही है। उन्होंने कहा कि परमात्मा शिव देवों के भी देव महादेव हैं, त्रिमूर्ति के पिता, त्रिलोकीनाथ व त्रिकालदर्शी हैं। वे जन्म-मरण के चक्र से परे, अजन्मा, अभोक्ता और अकर्ता हैं तथा परकाया प्रवेश द्वारा ज्ञान देने के लिए इस धरा पर आते हैं। ब्रह्माकुमारी रेखा व रितु ने कहा कि 'शिव' शब्द का अर्थ ही कल्याणकारी है। परमात्मा शिव ज्ञान, प्रेम, सुख और आनंद के सागर हैं। उनका वास्तविक स्वरूप ज्योति-बिंदु है, एक दिव्य प्रकाशमय सत्ता, जो परमधाम में निवास करती है। उन्होंने सभी को राजयोग के माध्यम से आत्मचिंतन कर अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाने का संदेश दिया।

शिवलिंग पर बेलपत्र अर्पित कर चढ़ाया जल

चरखी दादरी। कोर्ट कॉम्प्लेक्स के पीर बाबा मंदिर परिसर में बने शिवालय में दादरी नगर के सैकड़ों शिवभक्तों ने पहुंचकर महाशिवरात्रि पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया। शिव भक्तों ने विधिवत रूप से पूजा अर्चना की और शिवलिंग पर बेलपत्र अर्पित कर जल चढ़ाया और भगवान भोले नाथ से अपनी मनोकामना पूरी करने की अर्जी लगाई। जानकारी देते हुए प्रधान फूलचंद सोनी सांवड़ वाले ने बताया कि पूरा दिन मंदिर व शिवालय में दिन भर बम-बम भोले, ओम नमः शिवाय, हर-हर महादेव के जयघोष के नारे लगते रहे। मंदिर में प्रातः 5 बजे से ही भगवान शिव की पूजा-अर्चना शुरू हो गई। मंदिर परिसर में हर मंगलवार को हनुमान का प्रसाद वितरित किया जाता है और वीरवार को बाबा पीर व सयद का प्रसाद वितरण किया जाता है। इस अवसर पर पुजारी श्रीराम बाबू ने भक्तों के बीच दूध, दही, मिश्री और केले का प्रसाद वितरित किया।

भगवान शिव की कृपा से होता कष्टों का अंतः भगवान गिरी

भिवानी। महाशिवरात्रि पर्व पर गांव मित्ताथल बाबा खूबीनाथ धाम स्थित शिवालय में महिलाओं व श्रद्धालुओं ने गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। मंदिर के महंत बाबा भगवान गिरी ने कहा कि महाशिवरात्रि पर्व पूरे देश में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। यह पर्व भगवान शिव व माता पार्वती के विवाह की खुशी में मनाया जाता है। इस दिन भगवान शिव की सच्चे मन से आराधना करने से मनुष्य के सभी कष्टों का अंत होता है। इस अवसर पर अनेक भक्तजन व ग्रामीण उपस्थित रहे।

भिवानी। महाशिवरात्रि पर्व पर बाबा भैया मंदिर में भजन कीर्त करते श्रद्धालु।

बाबा भैया मंदिर में महाशिवरात्रि पर किया हवन-यज्ञ व भंडारा

भिवानी। महाशिवरात्री के पावन पर्व पर तोशाम बाई पास स्थित बाबा भैया मंदिर में मंहत ईश्वर गिरी के सानिध्य में चल रही 8 दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का समापन हुआ। समापन अवसर पर हवन-यज्ञ व भण्डारे का आयोजन किया गया। कथा का वाचन कृष्ण शर्मा ने किया। ठेकेदार ओमप्रकाश सभ्रवाल ने बताया कि इस दौरान उपस्थित भक्तजनों व महिला मंडली ने भगवान शिव की महिमां का गुणगान किया। इस अवसर पर रामोतार, अजमेर तालु, शमशेर सभ्रवाल, राजपाल बोंदिया, राजु कलंगा, संजय, विमल, मुनेश, गुड्डी, रामरती, एडवोकेट बबली पंवार, रेखा, पुजा, अनीता, शकुंतला, नीतू, पन्मेश्वरी, सुमन व अनूप शर्मा आदि उपस्थित रहे।

सुबह की सैर के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

■ तेरापंथ प्रोफेशनल में वॉकथोन 2026 का आयोजन

तेरापंथ समाज की संस्था टीपीएफ ने लोगों को सुबह सुबह की सैर के प्रति जागरूक करने के लिए वॉक थोन 2026 का आयोजन किया । इसमें सैर करने वालों का काफिला प्रेक्षा बिहार से पैदल मार्च करते हुए निकला और घंटाघर हांसी गेट तथा बीटीएम चौक होते हुए किरोड़ीमल पार्क में आकर समापन हुआ। इसके शुभारंभ से पूर्व प्रेक्षा विहार में पद यात्रियों को सुबह की सैर के लाभ बताते हुए टी पी एफ के अध्यक्ष अशोक जैन ने कहा की सौ रोगों की एक दवा सुबह-सुबह की शुद्ध हवा। उन्होंने यह भी कहा कि सुबह की सैर नियमित रूप से करने वाले अपेक्षाकृत कम बीमार होते हैं और उनकी दैनिक कार्य क्षमता बढ़ जाती है।

जैन ने कहा कि उनकी संस्था इस तरह के जन उपयोगी कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। इस अवसर पर सुरेंद्र जैन, अशोक जैन, मंजू जैन, सौरभ जैन लक्ष्मण अग्रवाल, अनिल सिंगला, सज्जन अग्रवाल, के के वर्मा तथा सार्थक जैन सहित अनेक टीपीएफ के सदस्य उपस्थित थे।

शिव संदेश सद्भावना यात्रा निकाली

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

■ प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि शाखा ने निकाली शिव संदेश सद्भावना यात्रा

रविवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की चरखी दादरी शाखा के तत्वावधान में 90वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती एवं महाशिवरात्रि पर "शिव संदेश सद्भावना यात्रा एवं आकर्षक झांकी" का भव्य आयोजन किया। यात्रा सेवा केन्द्र से विधिवत रूप से आरंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई जैसे ही आदर्श धर्मशाला के समीप पहुंची, वहां श्रद्धालुओं का उत्साहपूर्ण स्वागत किया। आदर्श धर्मशाला (पंजाबी सभा) ने शोभायात्रा में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष प्रबंध किए। सभा की ओर से विभिन्न स्थानों पर पानी एवं जूस की बोतलों का वितरण किया। संपूर्ण सेवा कार्यक्रम आदर्श धर्मशाला के प्रधान साहिल चराया के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अशोक अरोड़ा, गुलशन मदान, हंस राज पटवारी, वासुदेव आनंद, दीपक सतीजा, सुनील अरोड़ा, ज्ञान सचदेवा, नितिन चराया, अभि ठुकराल, इलू मुंजाल, माधव पपरेजा आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

बीके विद्यालय में शुभकामना एवं विदाई समारोह का आयोजन, अनुभव किए सांझा

जूनियर विद्यार्थियों ने दी सीनियर को विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा के बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों एवं शिक्षक वर्ग ने बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए शुभकामना समारोह का आयोजन किया। समारोह में कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को तिलक लगाकर स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा द्वारा विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य सुरेश जांगड़ा, बिजेंद्र जांगड़ा, सुभाष शर्मा,जोगिंद्र जांगड़ा, बीएड महाविद्यालय के प्रोफेसर अंकित गोयल का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत सत्कार किया।

बवानीखेड़ा। बीके विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थितजन।

टाइटल व उपहार देकर सम्मानित किया

कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों ने सीनियर्स को टाइटल व उपहार देकर सम्मानित किया। उन्होंने सीनियर्स के लिए अनेक मनोरंजन खेलों का भी आयोजन किया, जिसमें सबसे अधिक गुब्बारे फुलाना, अध्यापकों की नकल करना आदि खेल शामिल किए। कक्षा 12वीं के विद्यार्थी कनिका और ध्रुव ने भाषण द्वारा विद्यालय परिसर में बिताई अनगिनत यादों को सांझा कर अध्यापक वर्ग के प्रति आभार जताया। प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों को आने वाली चुनौतियों के प्रति सजग बने रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को जीवन के किसी भी मोड़ पर अपने माता-पिता को नहीं भूलना चाहिए क्योंकि वे ही हमारी सफलता के आधार स्तंभ है। समाज सेवी सुभाष शर्मा ने कहा कि अनुशासन परिश्रम और संस्कार ही सफलता की कुंजी हैं और सभी को मेहनत के साथ पढ़ाई करके जीवन में आगे बढ़ाना चाहिए।

शिविर में 20 युवाओं ने किया रक्तदान

भिवानी। सैनी कल्याण परिषद द्वारा पुलवामा शहीदों की याद में रोहतक रोड स्थित समर्पण चैरिटेबल ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर नए रक्त प्रभारी राजकुमार सैनी के नेतृत्व में लगाया। शिविर बलवंत सैनी, सुमित व नवीन सैनी की देखरेख में संपन्न हुआ। शिविर में लगभग 20 युवाओं ने भाग लिया। शिविर के दौरान उपस्थितजनों ने पुलवामा को शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर परिषद के प्रधान भूपसिंह सैनी, वरिष्ठ सलाहकार जगदीश चंद्र सैनी आदि मौजूद रहे।